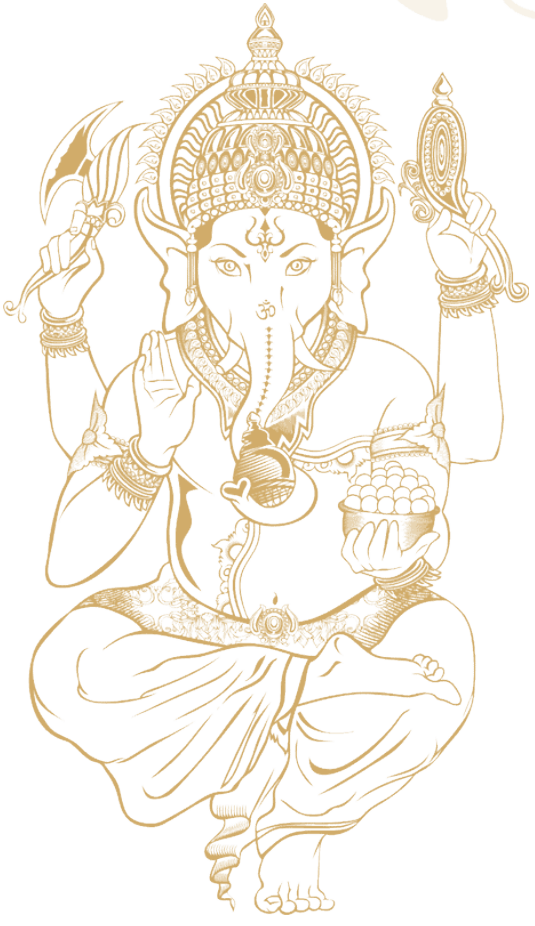

Mr.Gajendra Bhandari

21 May 1984

09:00 PM

Udaipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 119186506

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21/05/1984**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**21:00:00 घंटे**
इष्ट	37:57:40 घटी
स्थान	**Udaipur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	24:36:00 उत्तर
रेखांश	73:47:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:34:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:25:08 घंटे
वेलान्तर	00:03:27 घंटे
साम्पातिक काल	12:22:58 घंटे
सूर्योदय	05:48:56 घंटे
सूर्यास्त	19:14:17 घंटे
दिनमान	13:25:21 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	07:06:31 वृष
लग्न के अंश	01:10:21 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 1**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	ब्रह्म
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	गा-गगन
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	01:10:21	325:22:34	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
सूर्य			वृष	07:06:31	00:57:42	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	शत्रु राशि
चंद्र			मक	25:01:56	12:05:09	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	सम राशि
मंगल	व		तुला	23:33:10	00:20:24	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शनि	सम राशि
बुध			मेष	11:48:55	01:03:19	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	सम राशि
गुरु	व		धनु	18:35:24	00:03:58	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	स्वराशि
शुक्र		अ	वृष	00:15:56	01:13:43	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	स्वराशि
शनि	व		तुला	18:06:17	00:04:09	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	उच्च राशि
राहु	व		वृष	13:23:36	00:03:11	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	राहु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	13:23:36	00:03:11	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
हर्ष	व		वृश्चि	18:23:36	00:02:25	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
नेप	व		धनु	07:11:29	00:01:20	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	---
प्लूटो	व		तुला	06:17:38	00:01:23	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	---
दशम भाव			कन्या	12:36:55	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : माध्य

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:38:04

लग्न-चलित

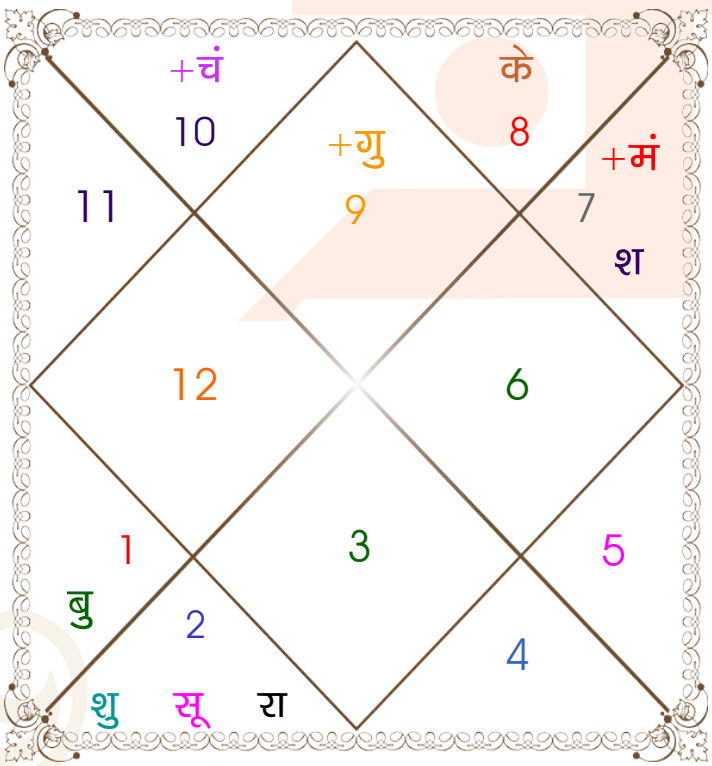

चन्द्र कुंडली

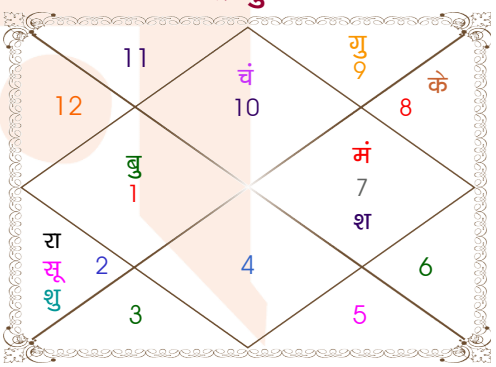

नवमांश कुंडली

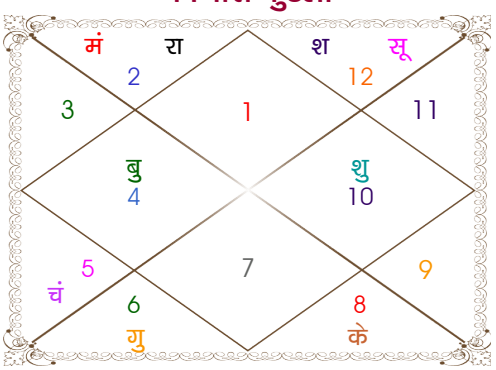

Krishna Astrosagy an Resarche center
5 Shanti Niketan colony Bedla badgaon likn Road

9571652706 9414829758
Jbhupendra@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 6 वर्ष 1 मास 9 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
21/05/1984		30/06/1990		30/06/2008		30/06/2024		01/07/2043	
30/06/1990		30/06/2008		30/06/2024		01/07/2043		30/06/2060	
	21/05/1984	राहु	13/03/1993	गुरु	18/08/2010	शनि	04/07/2027	बुध	26/11/2045
राहु	14/12/1984	गुरु	06/08/1995	शनि	28/02/2013	बुध	13/03/2030	केतु	23/11/2046
गुरु	20/11/1985	शनि	12/06/1998	बुध	06/06/2015	केतु	22/04/2031	शुक्र	23/09/2049
शनि	30/12/1986	बुध	29/12/2000	केतु	12/05/2016	शुक्र	21/06/2034	सूर्य	31/07/2050
बुध	27/12/1987	केतु	17/01/2002	शुक्र	11/01/2019	सूर्य	03/06/2035	चंद्र	30/12/2051
केतु	24/05/1988	शुक्र	17/01/2005	सूर्य	30/10/2019	चंद्र	02/01/2037	मंगल	26/12/2052
शुक्र	24/07/1989	सूर्य	11/12/2005	चंद्र	28/02/2021	मंगल	10/02/2038	राहु	16/07/2055
सूर्य	29/11/1989	चंद्र	12/06/2007	मंगल	04/02/2022	राहु	17/12/2040	गुरु	21/10/2057
चंद्र	30/06/1990	मंगल	30/06/2008	राहु	30/06/2024	गुरु	01/07/2043	शनि	30/06/2060

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
30/06/2060		01/07/2067		01/07/2087		30/06/2093		02/07/2103	
01/07/2067		01/07/2087		30/06/2093		02/07/2103		00/00/0000	
केतु	26/11/2060	शुक्र	30/10/2070	सूर्य	18/10/2087	चंद्र	30/04/2094	मंगल	28/11/2103
शुक्र	26/01/2062	सूर्य	30/10/2071	चंद्र	18/04/2088	मंगल	30/11/2094	राहु	22/05/2104
सूर्य	03/06/2062	चंद्र	30/06/2073	मंगल	24/08/2088	राहु	30/05/2096		00/00/0000
चंद्र	02/01/2063	मंगल	30/08/2074	राहु	18/07/2089	गुरु	29/09/2097		00/00/0000
मंगल	31/05/2063	राहु	30/08/2077	गुरु	07/05/2090	शनि	01/05/2099		00/00/0000
राहु	18/06/2064	गुरु	30/04/2080	शनि	19/04/2091	बुध	30/09/2100		00/00/0000
गुरु	25/05/2065	शनि	01/07/2083	बुध	23/02/2092	केतु	01/05/2101		00/00/0000
शनि	03/07/2066	बुध	30/04/2086	केतु	30/06/2092	शुक्र	31/12/2102		00/00/0000
बुध	01/07/2067	केतु	01/07/2087	शुक्र	30/06/2093	सूर्य	02/07/2103		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 6 वर्ष 1 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म कालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म मूल नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म काल धनु लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं धनु राशि का द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। जन्म प्रभाव से यह दृश्य हो रहा कि आप व्यक्तिगत रूप से शक्तिवान धन-वैभव से संपन्न एवं निश्चिन्तता पूर्वक जीवन यापन करने वाले प्राणी हैं। आपकी कुशाग्र बुद्धिमता के पत्ते का खेल तब प्रारंभ होगा। जबकि आपकी आयु 27 वर्ष की होगी और यह समयावधि 31 वर्ष तक अति अनुकूल प्रतीत हो रहा है। क्योकि उसके बाद ही आपको अच्छी प्रकार यह अनुभव होगा कि अब जीवन पथ पर किस प्रकार चलना चाहिए। इसके बाद ही आपको आर्थिक लाभांश प्राप्ति का सुअवसर प्राप्त भी हो सकता है।

आपके लिए यह शिक्षा ग्राह्यनीय है कि आप अपनी बोली पर नियंत्रण रखें। क्योंकि आप निर्भिकता पूर्वक कटु सत्य बोलते रहते हैं। परंतु यह नहीं सोचते हैं कि बातों का सुनने वालों के मन में क्या प्रतिक्रिया होगी। क्योंकि सत्य सदैव पीड़ा कारक होता है। इस कारणवश आपके अधिकांश मित्र आपकी कटु सत्य विचारों को आत्मसात नहीं कर पाते तथा आपके शत्रु बन जाते हैं। जबकि आपके अभिभावक एवं आपमें भातृ बंधु आपकी अति वाचालिक प्रवृति को पसंद नहीं करते। इस परिस्थिति में आप इस प्रकार विस्तृत बिंदु पर नहीं पहुंच सकते। आप चिंतन कर सकते है कि किसी के भी साथ किस प्रकार निर्वाह करेंगे।

साथ-साथ घरेलू मामले में आपको अपनी भाषा पर अतिशय नियंत्रण रखना चाहिए ताकि गृहस्थ जीवन को अबाधगति से संचलन में कोई व्यवधान उपस्थित न हो। जब आप अपनी संतान के साथ वार्तालाप करें तो सावधानी पूर्वक आचरण करे। आपको अपनी धारणाओं के प्रति सदैव आश्वस्त रहना चाहिए। आप अपनी प्यारी पत्नी एवं अत्ति श्रद्धावान पुत्रों से युक्त अपना समधुर पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप इस प्रकरण को किस प्रकार अनुकूलता प्रदान करेंगे। यह आप की विचार शैली एवं कार्य शैली पर निर्भर करता है।

आप समृद्धिवान होकर स्वास्थ्य जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आपकी अत्यधिक अभिरूचि खेलकूद का प्रदर्शन करने एवं वाह्य हाव भाव को दिखाने में रहती है। आप निर्भयता पूर्वक यात्रा करना पसंद करते हैं। इस प्रकार आप अपने समय को घर पर नहीं बिताते है। यह अच्छी बात हैं क्योंकि आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृति के दुष्प्रभाव से लोग बच जाएंगे और घर में किसी भी प्रकार का क्लेशादि नहीं होगा।

आप धार्मिक क्षेत्र में अग्रसर होकर ध्यान मग्न होने के संबंध में उच्च स्तरीय विचार रखते हैं। आप धर्म एवं भारतीय दर्शन के विकास हेतु व्यक्तिगत रूप से पूर्ण रूचिवान होना एक सुअवसर की प्राप्ति का सौभाग्य समझते हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं दान-धर्म में आर्थिक योगदान करेंगे।

आपके जीवन का उत्कृष्ट भाग यह है कि आप अत्युत्तम स्वास्थ्य का आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु ऐसा संयोग उपस्थित हो सकता है कि जैसे अस्थमा, जोड़ों का दर्द एवं कोई अंग

प्रत्यंग टूटने जैसे रोगों से आप प्रभावित हो सकते हैं। आपके लिए सरल उपाय यह है कि आप इन रोगों के प्रति सतर्कता बरतें।

धनु राशीय प्रभावानुसार आपके लिए व्यावसायों में अनुकूल व्यवसाय राजनीति है। अन्य दूसरा सुंदर व्यवसाय जन सामान्य के मध्य सुवक्ता, भाषण देने वाला बनें। शिक्षण कार्य, अथवा बैंक की नौकरी भी अनुकूल है। अन्यथा आप धार्मिक कार्य, पराविद्या का ज्ञान, धार्मिक संस्थानों से संबंद्ध भी हो सकते हैं। प्रकाशन संबंधी कार्य भी आपको पारिश्रमिक दिला सकता है। इसके अतिरिक्त व्यवसायिक अन्य क्षेत्रों में विधि विधान, विदाई कार्य, अभियंत्रिकी, ठेकेदारी एवं वैदेशिक व्यवसायिक निर्धारण कार्य उत्तम हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक हैं। कृपया स्पष्टतः अंक 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में प्रतिकूल रंग लाल, काला एवं सफेद रंग है। आप रंग नीला, हरा, मरकत रंग, नारंगी, सफेद एवं क्रीम रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे।